EXTREMIST PHASE CONTINUED

……..

ALL INDIA MUSLIM LEAGUE (AIML)

- The All – India Muslim League was a major political organization in British India.
- It was founded to protect the political rights of Muslims and eventually became the driving force behind the demand for Pakistan.

- अखिल भारतीय मुस्लिम लीग ब्रिटिश भारत में एक प्रमुख राजनीतिक संगठन था।
- इसकी स्थापना मुसलमानों के राजनीतिक अधिकारों की रक्षा के लिए हुई थी और अंततः यह पाकिस्तान की मांग के पीछे प्रेरक शक्ति बन गया।

Formation of AIML

- **Date : 30 December 1906 / 30 दिसंबर 1906**
- **Place : Dhaka (now in Bangladesh)/ ढाका (अब बांग्लादेश में)**
- **Venue : The session of All India Muhammadan Educational Conference (अखिल भारतीय मुसलमान शैक्षिक सम्मेलन का एक सत्र)**
- **Headquarters: Lucknow (लखनऊ)**
- **Founding Leaders : Nawab Salimullah of Dhaka (main proposer) संस्थापक नेता : ढाका के नवाब सलीमुल्लाह (मुख्य प्रस्तावक)**
- **Aga Khan (First President) / आगा खान (पहले अध्यक्ष)**
- **Nawab Mohsin-ul-Mulk / नवाब मोहसिन-उल-मुल्क**
- **Nawab Viqar-ul-Mulk / नवाब विकार-उल-मुल्क**
- **Syed Ameer Ali / सैयद अमीर अली**
- **Hakim Ajmal Khan / हकीम अजमल खान**
- **Ceased operations: 14 August 1947 / 14 अगस्त 1947**

Morley Minto Reform (1909)

Viceroy: Lord Minto

* पाकिस्तान की नींव

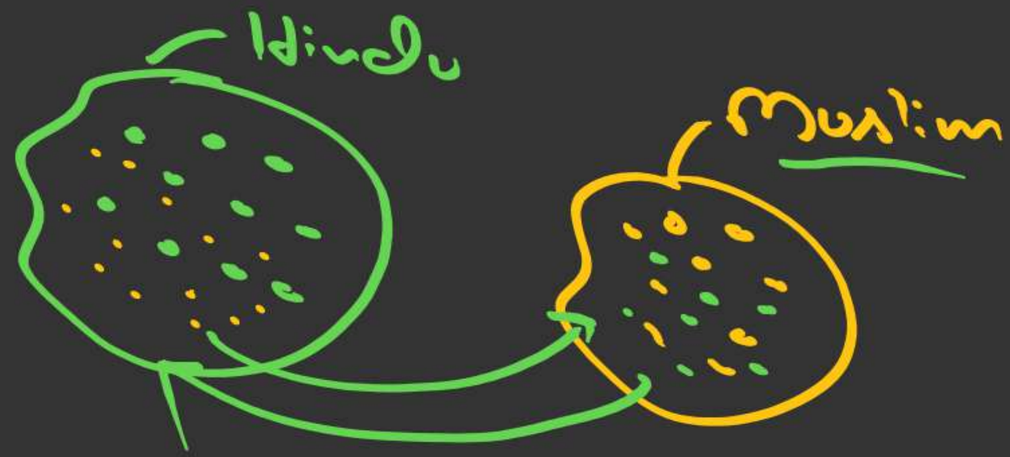

DELHI DURBAR (1911) >>

- **Held By : Viceroy Lord Hardinge (किसके द्वारा आयोजित: वायसराय लॉर्ड हार्डिंग)**
- **Occasion : Coronation of King George V and Queen Mary**
- **अवसर: किंग जॉर्ज पंचम और क्वीन मैरी का राज्याभिषेक**
- **Key Features (मुख्य विशेषताएं):**
  - **King George V personally attended – unique event in world colonial History. (किंग जॉर्ज पंचम व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे - विश्व औपनिवेशिक इतिहास में एक अद्वितीय घटना।)**
  - **Announcement of two major decisions (दो प्रमुख निर्णयों की घोषणा:)**
    (A)Cancellation of Partition of Bengal (1905)
    बंगाल विभाजन (1905) को रद्द करना
    (B) Transfer of capital from Calcutta to Delhi
    राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करना

Another declaration that : There shall be two new province named as Bihar and Orissa

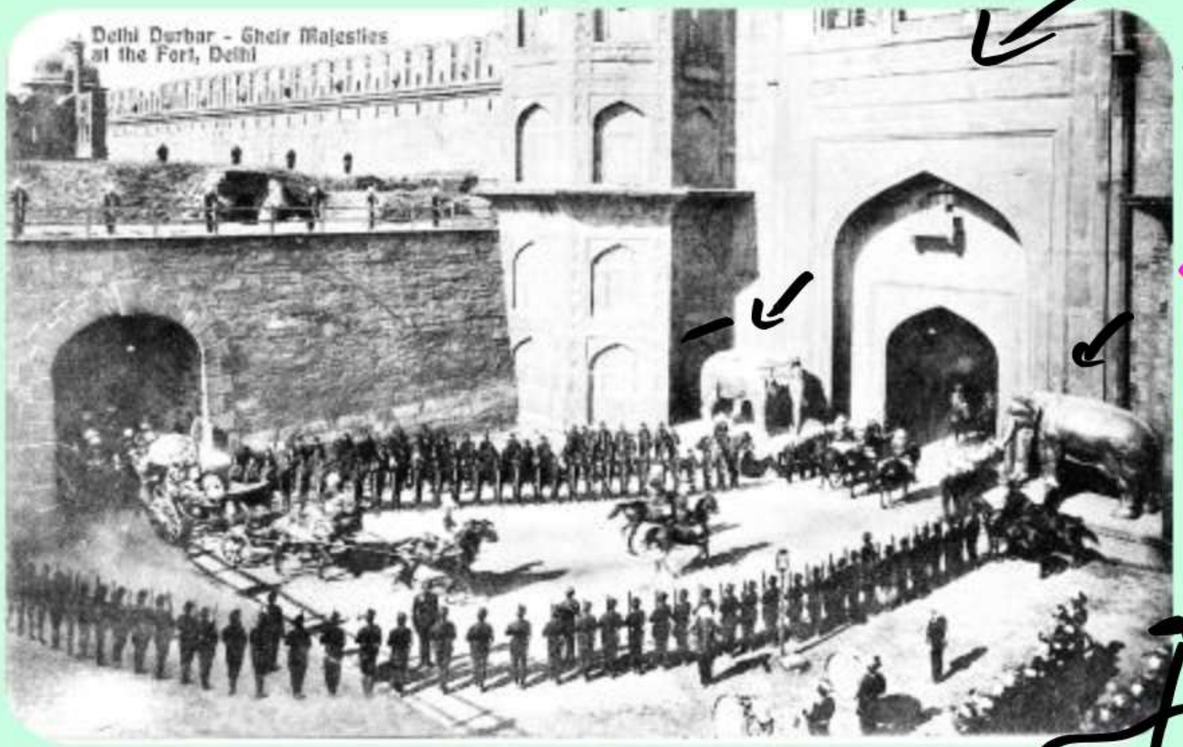

* Delhi Capital (1911)
* बंगाल विभाजन रद्द
*

Gateway of India → 1911 / 1924

By George Wittate

Bihar

Odisha

IMPORTANCE

- **Marked beginning of New Delhi as administrative capital.**
  नई दिल्ली को प्रशासनिक राजधानी के रूप में स्थापित किया गया।
- **Aimed to calm nationalist anger caused by partition of Bengal.**
  बंगाल विभाजन के कारण उत्पन्न राष्ट्रवादी क्रोध को शांत करने का लक्ष्य रखा गया।
- **Symbol of direct imperial authority.**
  यह प्रत्यक्ष शाही सत्ता का प्रतीक था।

GADAR PARTY(1913)

Ghadar Party Flag

Lala Hardayal
USA, San Francisco

The Gadar Party was a revolutionary organization founded by Indian Immigrants abroad, mainly in the USA and Canada, to overthrow British rule in India through armed rebellion./ गदर पार्टी एक क्रांतिकारी संगठन था जिसकी स्थापना मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में भारतीय प्रवासियों द्वारा भारत में ब्रिटिश शासन को सशस्त्र विद्रोह के माध्यम से उखाड़ फेंकने के लिए की गई थी।

Why was the party formed ?
पार्टी का गठन किस कारण से हुआ?

1. Indian immigrants, especially Punjabis, faced racial discrimination in USA & Canada. (अमेरिका और कनाडा में भारतीय आप्रवासियों, विशेषकर पंजाबियों को नस्लीय भेदभाव का सामना करना पड़ा।)
2. Nationalist ideas rose due to Kamagata maru incident, unjust immigration laws, and British repression. (कामागाटा मारू घटना, गलत आप्रवासन कानूनों और ब्रिटिश अत्याचारों के कारण राष्ट्रीयवादी विचार बढ़े।।)
3. Inspired by global revolutionary movements and desire to liberate India. (वैश्विक क्रांतिकारी आंदोलनों और भारत को स्वतंत्र करने की इच्छा से प्रेरित।)

FORMATION

- Founded : 1913 / 1913
- Place : San Francisco, USA (Yugantar Ashram)
- स्थान : सैन फ्रांसिस्को, यूएसए (युगांतर आश्रम)
- Founder/ Key leaders (संस्थापक/मुख्य नेता:):
  - Sohan Singh Bhakna (First president)/ सोहन सिंह भकना (पहले अध्यक्ष)
  - Lala Hardayal (ideological head) / लाला हरदयाल (विचारधारा के प्रमुख)
  - Bhai Premanand / भाई प्रेमानंद
  - Rashbehari Bose (later connected) / रासबिहारी बोस (बाद में जुड़े)
  - Kartar Singh Sarabha (iconic young revolutionary)
  - करतार सिंह सराभा (मशहूर युवा क्रांतिकारी)
  - Harman Singh Tundilat / हरमन सिंह टुंडीलाट
  - Baba Jawala Singh / बाबा ज्वाला सिंह

According to Kartar Singh:

Today there begins Gadar in foreign lands, but in our country's tongue, a war against the British Raj.

LUCKNOW PACT (1916)

- **The Lucknow Pact was an important agreement between the Indian National Congress (INC) and the All-India Muslim League (AIML) during their joint session at Lucknow in 1916.** (लखनऊ समझौता 1916 में लखनऊ में हुए संयुक्त अधिवेशन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) और अखिल भारतीय मुस्लिम लीग (एआईएमएल) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता था।)
- **It marked the high point of Hindu – Muslim unity against British rule.** (यह ब्रिटिश शासन के विरुद्ध हिंदू-मुस्लिम एकता का चरम बिंदु था।)

KEY LEADERS

- **INC : Bal Gangadhar Tilak, Annie Besant, Madan Mohan Malviya (बाल गंगाधर तिलक, एनी बेसेंट, मदन मोहन मालवीय)**
- **AIML : Muhammad Ali Jinnah , Mazhar-ul-Haq, Nawab Salimullah (मुहम्मद अली जिन्ना, मज़हर-उल-हक, नवाब सलीमुल्लाह)**
- **Maulana Abul Kalam Azad, Shaukat Ali, Maulana Md Ali etc were some Muslim leaders who were not Hardcore (मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, शौकत अली, मौलाना मोहम्मद अली वगैरह कुछ ऐसे मुस्लिम नेता थे जो कट्टर नहीं थे)**

हिंदू महासभा → 1915

By → M. Mohan Malviya + Lala Lajpat Rai

Main features of the Pact

- Congress and Muslim League agreed to work jointly for self-government.
  (कांग्रेस और मुस्लिम लीग स्वशासन के लिए संयुक्त रूप से काम करने के लिए सहमत हुए।)
- Congress accepted separate electorates for Muslims.
  कांग्रेस ने मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचक मंडल स्वीकार किए।
- Ensured Muslim representation in legislatures.
  विधानमंडलों में मुस्लिम प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया।
- Muslims given 1/3 representation in the Central Legislature.
  मुसलमानों को केंद्रीय विधानमंडल में 1/3 प्रतिनिधित्व दिया गया।
- Provincial seat distribution based on Muslim population:
  मुस्लिम जनसंख्या के आधार पर प्रांतीय सीटों का वितरण:
- Punjab & Bengal : Muslim majorities / पंजाब और बंगाल: मुस्लिम बहुमत
- UP, Bombay, Madras, Bihar : weightage for Muslims
  यूपी, बॉम्बे, मद्रास, बिहार: मुसलमानों के लिए महत्व

Home Rule Movement (1916)

- **Inspired by the Irish Home Rule movement, it was a nationalist campaign in India demanding self-government (swaraj) within the British Empire.** (आयरिश होम रूल आंदोलन से प्रेरणा लेते हुए, यह भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन स्वशासन (स्वराज) की मांग करने वाला एक राष्ट्रवादी आंदोलन था।)
- **Two independent Home Rule Leagues were launched – one by Bal Gangadhar Tilak (April 1916) and another by Annie Besant (September 1916)** (दो अलग-अलग होम रूल लीग शुरू की गईं - एक बाल गंगाधर तिलक द्वारा (अप्रैल 1916) और दूसरी एनी बेसेंट द्वारा (सितंबर 1916)।)

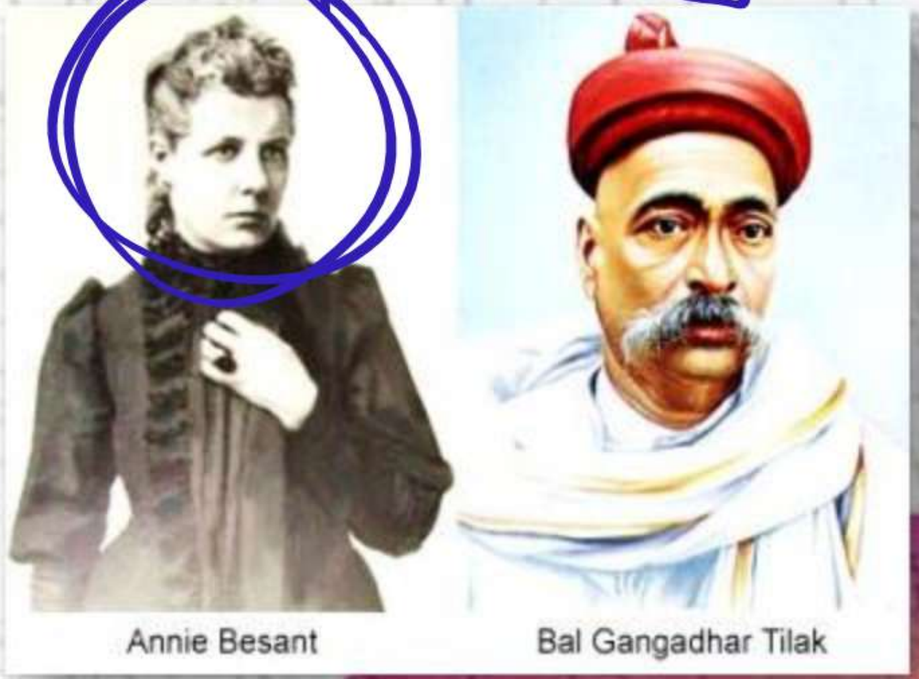

Annie Besant

Bal Gangadhar Tilak

Home Rule Movement

1916

- B.G. Tilak
  - Pune
    - Maratha (Eng)
    - Kesari (Marathi)
- Annie Besant
  - Madras
    - Common wheel (Eng)
    - New India (Eng)

Need for Home Rule Movement

- Congress was inactive after the Surat Split (1907).
  सूरत विभाजन (1907) के पश्चात कांग्रेस निष्क्रिय हो गई थी।
- Revolutionary activities were growing but lacked mass appeal.
  क्रांतिकारी गतिविधियाँ बढ़ रही थीं, परन्तु उनमें जन समर्थन का अभाव था।
- Moderates wanted constitutional reforms; extremist wanted action.
  नरम दल के लोग संवैधानिक सुधार चाहते थे; गरम दल के लोग कार्रवाई चाहते थे।
- WWI (1914 – 18) made British appear weak and vulnerable – Chance for political pressure. (प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) ने अंग्रेजों को कमजोर और असुरक्षित दिखा दिया - राजनीतिक दबाव डालने का अवसर।)

Tilak's Home Rule League

- **Date : April 1916** (अप्रैल 1916)
- **Area of work : Maharashtra, Karnataka, Berar, Central Provinces** (महाराष्ट्र, कर्नाटक, बरार, मध्य प्रांत)
- **Approach : More radical and mass-based.**
  दृष्टिकोण: अधिक उग्र और जन-आधारित।
- **Slogan : Swaraj is my birth right and I shall have it.**
  नारा: स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे प्राप्त करके रहूंगा।
- **Aim : mobilize common people through meetings, festivals, newspapers.** (लक्ष्य: बैठकों, त्योहारों, समाचार पत्रों के माध्यम से आम लोगों को संगठित करना।)
- **Mahratta & Kesari** (मराठा और केसरी)

Annie Besant's home rule league

- **Date : September 1916** / सितंबर 1916
- **Area of work : rest of India, especially Madras, Bombay and United Province.** (शेष भारत, विशेष रूप से मद्रास, बॉम्बे और संयुक्त प्रांत।)
- **Approach : moderate but powerful; used newspapers New India & Commonweal.** (मध्यम लेकिन शक्तिशाली; न्यू इंडिया और कॉमनवील जैसे समाचार पत्रों का उपयोग किया।)
- **Emphasis : constitutional agitation & educating public opinion.** (संवैधानिक आंदोलन और जनमत को शिक्षित करना।)

Rowlatt Act 1919

Viceroy → L. Chelmsford

- **Also called the Anarchial and Revolutionary Crimes Act, 1919.**
  इसे 1919 का अराजकतावादी और क्रांतिकारी अपराध अधिनियम भी कहा जाता है।
- **The Rowlatt Act empowered the British government to arrest and detain people without trial. (रौलेट एक्ट ने ब्रिटिश सरकार को बिना मुकदमा चलाए लोगों को गिरफ्तार करने और हिरासत में रखने की शक्ति दी।)**
- **It was the most unpopular repressive law passed after the world war I. (यह प्रथम विश्व युद्ध के बाद पारित सबसे अलोकप्रिय दमनकारी कानून था।)**

Main Provisions of Act

- **Government could arrest anyone without warrant.**
  सरकार किसी को भी बिना वारंट के गिरफ्तार कर सकती थी।
- **Accused could be jailed without trial for up to 2 years.**
  अभियुक्त को बिना मुकदमे के 2 साल तक जेल में रखा जा सकता था।
- **No right to legal representation (no lawyer allowed)**
  कानूनी प्रतिनिधित्व का कोई अधिकार नहीं था (वकील की अनुमति नहीं थी)।
- **Trials could be held in camera (secret courts).**
  मुकदमे गुप्त अदालतों में हो सकते थे।
- **Police could conduct searches without warrant.**
  पुलिस बिना वारंट के तलाशी कर सकती थी।
- **Press restrictions and censorship continued.**
  प्रेस पर प्रतिबंध और सेंसरशिप जारी रही।

1907 – 1919

No appeal, no lawyer, no evidence